

# **GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM**

## **GELC ARCHIVE**

Signature: **GELC-A \_ 001 \_ 0443**

Classification:

Original File No. 17

### **Title**

Jarakudar Ilaka

Volume:

Running from year: 1928                      till year: 1930

### **Content:**

- Request of C.C. of Chotanagpur & Assam E.L.C. Dated-21-3-1930.
- Church Council Executive's Resolution forwarded to the Rev.M. Topno for information. Dt.10 Jan 1930.
- Letter from P.Hurad to Rev. M.Topno on 20 May 1929.
- Letter to the Secretary by Mr.J.K.Tripathi on 27 July 1928.
- Letter from P.Hurad to the Dewan Bonai Estate on 4th June & 26 May 1928.

18

Jarakudar Haka  
1928-30

छोटा नागपूर और आसामस्थ एवं जेलिकल  
लूथेरान कलौशिया की चर्च कौंसिल को  
निवेदन ।

हमारे जड़ाकुदर इलाके के कर्मचारी सभा में जो कि १२वीं मार्च १९३० को बेंटी थी - इस समय में जड़ाकुदर इलाके के ईश्वरीय राज्य के काम और संसारों के बीच धर्म फैलाव बारे बड़ी गम्भीरता के साथ बात बिचार और काट छांट हो गई।

- १- इस समय ऐसा मालूम हो रहा है कि चारों दिशा ईश्वर के राज्य को बढ़ती हो तो रही है जिनके बीच में कर्मचारियों को काम करना भी आवश्यक तो है पर कठिनाता भी बहुत है क्योंकि इतनी बड़ी बिस्तृत और घने जंगलों और दूर २ में मराडलियां होने से, मराडली को देख भाल करना, अच्छी सेवा काडि करना नहीं होता है।
  - २- मराडली, जहां कि कुछ अधिक है और उनमें के कोई भाई कुछ लिखा पढ़ी जानता हो, सेवाकाडि के काम में कितने लगाये भी गये हो तों भी जैसा आवश्यक है मराडली प्रतिपालन ठीक से नहीं होती है पर लाचार बस हो क्या करें ।
  - ३- फिर कितने २ संसार मौजा है जहां के लोग खुस्तान होने की इच्छा प्रकाश करते हैं, उनके पास आना जाना भी जैसा अवश्य है, कठिन हो रहा है।
  - ४- कर्मचारियों की दशा भी तो इतनी अच्छी नहीं कि अपनी जीविका खेती और मराडली के आमदानी से पूरे होवे - इत्यादि ।
- टिप्पणी - मराडलियां दो प्रकार से बढ़ती हैं :-
- I - और २ दूसरे २ मराडली इलाकाओं से इस देश में जीविका की आशा से अनेक जगहों में खुस्तान भडि लोग आ बसते हैं।
  - II - नये धर्म खोजक बढ़ते जाते हैं।

इस लिये दानता पूर्वक मान्यवर चर्च कौंसिल से निवेदन है कि यदि चर्च कौंसिल हमारे मराडली इलाके के काम में और कुछ सहायता कर सके तो कर्मचारी सभा उचित बिचार कर काम का और अधिक प्रबन्ध करके काम कर सकेगी ।

आगे शुभ -

कर्मचारी सभा के नाम से :-

चेयर मेन - M. Topono.

सेक्रेटरी - Christochil. Horo.

जड़ाकुदर - २१. ३. ३० ।

II. Jisri aji ki bat Main C. Council men lesh karta hun,  
ki Yadi C. Council Kripya Kare, to Main Kewala  
Mahasabha ke Prabhu Bhoj ka Aradhana Updesh;  
Mujh ko dija we, Maine Kewal Julibee ke samay  
Prabhu Bhoj ka Updesh diya Tha.

Main Is samay ke liye Apne ko Taiyar Karunga.  
Mera Sang Sathi Umarwala howe to achcha hoga.  
(Yadi To mera Karna aur Bichar hai).

III. aji hai ki yadi Amgrah Is Kam ke Sewa kar mile,  
to Gya menthalas jo hai, so Mere liye chhoda jawe,  
kyonki (Mera Thalar Purana hone se achcha  
nahin hai:  
Mujh ko Kripya Khabar Mile. Rev. M. Topno.

Church Council

Received 8. 1. 30

(To the Secretary C. Council)

Jarakudar 7. 1. 1930.

Date 7/6/30.

17.  $\frac{1}{H}$  and  $\frac{1}{G}$  are the reciprocals of  $H$  and  $G$  respectively.  $\frac{1}{H} = \frac{1}{G}$  if and only if  $H = G$ .

१. भाषा - इसी की उमर और मरणात्मक दुख है। हमारे लिये मरना है ॥

Date... ॥  
H = 41 211 042 844 H 1 02901 miz mizani miz ani itag

ਮਲਾ ਲੀ ਓਹੀ ਮੀਰ ਏਹੀ ਮਿਸਰ ਪੁਰਾਣੇ-ਹੁਣੇ ਓਹੀ ਮੁਗਲ ਏਹੀ ਮ---

मेरे प.पि. मूलका हस्ताक्षर इत्यादि विनोदियुक्त होना। धर्मोपनिषद् ३०  
को प्रभु ने सा गया (मोदरी विनोदसे) ॥

૧૨મી તારીખ ૩૪૫ જિલ્લાના નિર્ધારિત - હાલ સત્તામીલ તારીખ ન  
 ધરાવે છે. ઇલાચ અલગ રીતે - પીલે તોડવામાં આવે ॥

(मेरा अङ्गनामा यी यु लक्ष्मणेने)

— 114 —

414) -  $\frac{1}{2} \log 2$  11



Church Council ke Karjkarak sabha

ki baithki ka mantabya.

ta: 10 January 1930.

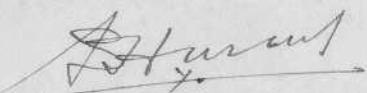
Shok - Prakash.

Ma: Padri Marcus Topono se samachar mila ki Jarakudar ka Cand. Shriman Eliazar Timothius Toppo 6 win January ko Masih Yishu men so gaye. Council Cand. Eliazar ki asamay mrityu se bahut shokit hui kyunki unse bhawishyat men bahut si achchhi baton ki asha ki jati thi. Ishwar swargiy Cand. ki bidhwa patni tatha kutumb pariwaron ko apni akshay shanti dwara sambhale yahi Council ki anta: karniye <sup>pr</sup>arthna hai.

Memo No. 1336/30  
P. - 17.

Dated Ranchi, the 16th January 1930.

Copy of the Church Council Executive's Resolution forwarded to the Rev. Marcas Topono for information.

  
Secretary, Lutheran Church.

Church Council

Received.. 24.9.28

Register No. 956.

Date.. 24.9.28

File.. 7

Reply No.....

Date.....

दिनांक २४-९-१९२८ ॥

छोटा नागपुर और आसाम को (गोस्सनर) एवं जेलिकॉल लुथेरान चर्चों शिवा के

चर्च को सिल को मेरा बहुत प्रीति सहित होवे ॥

मैं दीनता पूर्वक अपने हालत की बातें संक्षेप से आपके चरित्र पर देता हूँ ॥

इस साल जुलाई महीने में जब आसाम का काम बड़ा जोर से होने लगा तो इस समय में वेलो और काड़ा आदि पशुओं में रोग हो जाने से बहुतों का मर गया। मेरा भी काड़ा और बैल मर गये ॥

बीता वरस चार पंचार चलवाया पर इस साल चार नूट जाने से अभी केवल एक टाँप बूढ़ा काड़ा है और एक हार बैल है ॥

इसलिये मैं दीनता पूर्वक चर्च को सिल से मरजी करता हूँ कि द्वारा के बन्धोवत के लिये वार्षिक समय में मुझको एक सौ १०० रुपये इकठ्ठा दिये जाने को अनुमति मिले ॥

आपका विश्वस्व,

पादो--- मरकस तोपनो ।

जहाँ कदर ॥

Church Council

Received 26. 8. 28.

Register No. 915

Date 24. 8. 28.

File 17.

Reply No. ....

1 .....

WRITING SPACE

INDIA



26 10 19

11 30 AM

ADDRESS ONLY



Mr. P. Hurad.  
Secretary C.C.  
G. E. L. Compound.  
Ranchi.  
B.N. Ry



To The Secretary Lutheran C. C.  
Panaji.

Dated ~~Parakud~~ Panaji 24<sup>th</sup> Aug 1929.

Sir,

May I solicit the favour  
of your kindly informing  
me by return of Post whether  
Candidates are also called  
for the monsoon meeting  
this year as usual?

I have the honour to be  
Sir

Your most obedient  
servant.

Candi - E. T. Topfo.

Jamkudar.  
P.O. Banki Bazar  
Via Panaji B.N. Ry.

Received 31.8.29.

Register No. 223.

Date 29.8.29.

File 17.

Rep.

Date

Jarantwar 28.8.29.

- माम्यवर मेलामय चर्च कौंसिल के सेक्रेटरी कौंस मेरा प्रमुखता ।
1. बीते चर्च कौंसिल की बैठकी में पाद्री खुस्तानन्द अइन्दका रिपोर्ट जो कि उसने तिलियापुस के प्रचारक पन के बीच के गोल्माल वारा दिया था- कौंसिल में बातचीत के मुझे अनुमत मिला- कि इस विषय को बात देखूं---।
2. तिलियापुस के दोनों पार्टी के लोग-- जिन समय में मेरे पास आके उपर जो किये- कि इस वरसात में माइयां को जमा लेना मत काठने- और कि काम तो अभी बहुत है-- और कि प्रायः धार ज्वार आदि लगाना है--- और अन्तिम बात है कि खर्चा आदि का भी बंटा लात है ॥
3. इसलिये यह विचार किया गया कि आक्रोश में बैठकी होवे कि जितने सब बातें तय कि जावें-- और डेरा आदि भी जो लोग का मरान लेके आवेंग-- ठीक हो जाने सेके ॥
4. मैंने 8 सेप्टेम्बर को तारख दिया था- चिट्ठी पाके उपर के लिखे आये थे ॥
5. मैंने खुस्तानन्द अइन्द पाद्री को भी लिख दिया है ॥
6. वरसात की जो रसो आ जलो है गुन्दली-गोडा-मंडवा-अपास उरीद आदि डीस लेती काठका गली है ॥
7. बहुत आधिक वरसात लेने से भी अकाल को मरंगी का डर है ॥

Marcus Tozono.

No 667 /29.  
P. - 17.

The Secretary,  
G.E.L. Church Council,  
Ranchi.

The Rev. M. Topono,  
Member Church Council,  
Jarakudar  
P.O. Jarakudar.

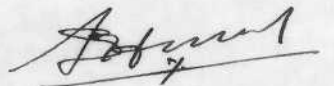
20th May 29.

Xx

Manyawar Rev. M. Topono,

Ap ko mera bahut 2 Yishusahay howe.  
Ap ka Card 15.5. 29. men jo bheje the so mila aur us ke jariye  
sab hal malum hua. Ap ko malum howe ki is Bar C.C. ki baithki  
3rd July se suru hogi. So ap 2 tarikh ko pahunchiye. Autonomy  
Day 10 July ko hai us samay sab padriyon ko apne apne sthan  
men ranna achha hoga.

Prem se.



Secretary,

G.E.L. Church Council  
Ranchi.

Branch Council

Received 17.5.29.

Register No. 744.

Date 15.5.29.

WRITING SPACE

Mamunji jo ghar men sab koi  
Prabhu ki. Dayase bhale  
change hain.

Yadi President hain to  
mera Pyar jana denge.  
age shukh.

M.T.

INDIA



ADDRESS ONLY



To  
The Secretary C. Council.  
Lutheran Church.

Panchi.

Jarakudar 15.5.29.

Manyawar C. Council Secretary  
Mahashay ko mera bahut Pyar sath  
yishusahay Apeke Pariwaron samet ko.

Main apse Nivedan kar Ruchhla hun,  
ki Aripa Karte mujhe Andaj Tarikh  
ki anuwala Council meeting kab ho  
sakega. Ruchhne<sup>ki</sup> Jarurat yahi hai  
ki 26.5.29 Trinitatis Parish ke bad main  
Bonai ke Ek Bhag ke 12 Maujaon men  
Jane ki Ichchha hai, aur ki Bhai Bahin  
bhi Bulate hain, Ek Mauha Bamza  
men hai, yahan Naya Dham chojak  
hain, Phir ki Bonai ke is Bhag ke  
Christian Mauha hain, aur ki Naye  
Tamse Abad ho raha hai. So Mere  
Hisab men Kam se Kam Char Hur  
udhar Gujrenge. Phir ki bhari  
Barsat men Jana ho li nahi sakega,  
(Akhand bar aur Anekanek nadi  
Naba hain. Prem se. M. Topono.

Church Council

Received 29.4.29

Register No. 712

Date 22.4.29

File 17

Reply No.

Date

Camp. Rautela (Mahulpali).

22.4.29

Mangawan (Lutheran Church) Secretary to Meraigar.

1 Ek bishay ka khyal mujh se utar gai, ki  
Prabhu Bhoj ke liye Barchas mangane ka  
Address - Rev. M. P. Chhabra se lena,  
So we hain ki nahin - So kripya unse puchh ke  
Mujhe batav denge, ki Baraat ke Pahile ki  
Railway - Parcel se manga saken.

Age shukh.

M. Topono.

Ellison & Co.  
8. Bow Bazar Street  
Calcutta

1 doz. Comm. Wine B 24 -  
as delivered to the  
Messrs. Rautela

Office  
Inquiry from Rev.  
Mr. B. Chhabra + reply  
JH.



3/1/29

|                    |
|--------------------|
| Church Council     |
| Received... 4.1.29 |
| Register No. 441   |
| Date... 31.12.28   |
| File... 17         |
| Reply No.          |
| Date               |

गोस्वर एवं जैलिकल लूथेरान चर्च कौंसिल को  
चर्च कौंसिल के निकट सविनय प्रार्थना।

(मार्जित इलाका चैयरमैन जड़कुदर)।

सिद्धि प्रो. छः सर्वोपरि बिराजमान अतिमाननीय  
चर्च कौंसिल को चरणासेवक कंडिदात इलियाजर -  
निमोधिपुस टोप्पो को ओर से लगातार चरणा-  
चुम्बन होता रहे।

पूज्यवर महोदय,

इस निवेदनपत्र के मापके  
कमलचरणा पर पड़ने का तात्पर्य ये है कि हेमिनरी  
से निकलके मापके चरणासेवक की पांचवर्ष की सेवा  
सन् १९२८ ईस्वी की ३१वीं दिसम्बर में पूर्ण होती है,  
अतएव सविनय प्रार्थना है कि १९२९ की १ वीं  
जनवरी से मापके चरणासेवक को वेतन रु. ६० कृपाया  
पच्चीस से तीस रुपैये की कर दी जाय, जिसहेतु माप  
का दास सदा मापका धन्यवादी होकर मापकी  
सेवा में कार्योपरान्त किया करेगा।

जड़कुदर  
३१वीं दिसम्बर १९२८

मापका चाणान्वित -  
कंडिदात इलियाजर निमोधिपुस  
टोप्पो।  
हेडमास्टर जड़कुदर यू.पी. स्कूल।

Rev. M. J. J. J.  
31.12.28.

शं-की १-४-२८

मान्य व. Council से केटी साहब को भेरा पोस्टाई ।

मौजा जोड़ा वान्य-धाना वंकी वजार-स्टेट बनई ।

१. मौजा जोड़ा में तिरन स्टेशन बनने को जगल वन्यो वस्तु माई ।  
जरतन तिरनारियों के चले जाने से इस जगल के वन्यो वस्तु का  
भाग जाव-रहो गया । मैं समझता हूँ कि इस जगल का पट्टा

आके का वन्यो वस्तु नहीं था- थोड़ा जमीन भी है जिसका परचा भी  
मिला होगा जो कि लास जमीन ही का माल दिया जाता है । दांड भी  
है- पर कोई स्टेट में दांड का माल गुजरी नहीं लिया जाता है ॥

२. सो भैया भाज है कि पट्टा पाने के साथ परचा के बारे में सरकार को  
कृपा करेंगे ।

३. इस जगल का बार बार पहिले ही से- आज तक एक प्रचारक के द्वारा  
लिखा जाता है- मैं उसको साथ पैसा माल गुजरी मर देने को आज तक  
दिमा हूँ । और कि हर विषय का इतिहास इस जगल के बारे में उससे  
लिखा है अगर लाल है- सो भाप भाजे को भी इस वन्यो वस्तु का  
सब काम उसी के द्वारा किया जावे ॥

मैं तो गंगपुर स्टेट में रहता हूँ- और बार वान्य मुझे जाना मौ  
माना- मुझको लाल है- वान्य दूर सामने है- चले मौ (कले) जाना मु  
पड़ता है- इस लिये भाप-

प्रचारक- वैकास बाजे- मौजा ही थोड़ा-

धाना- वंकी वजार-स्टेट बनई को भाप व  
सब काम करने को लिखेंगे ॥

स्टेट के सब मोवा विषय  
पट्टा का परचा का भाप दांड  
देने होगा ॥

मैं जिसे से भाप को लिखूंगा कि कल  
लखेंगे होगा ।

M. P. P. P.

To

The Secretary C. Council.

Lutheran Church.

Raneki



OFFICE OF THE DEWAN OF THE FEUDATORY STATE OF BONAI.

Please address reply by  
designation and not  
by name

Address:—

P. O. BONAIGARH,  
Via-Panposh B N Ry.

NO. 1039

From

Mr. J.K.Tripathi, M.A.,

DEWAN OF THE FEUDATORY STATE OF BONAI.

To

The Secretary,

Lutheran Church

R A C H I.

Dated Bonaigarh, the 25<sup>th</sup> July 1928.

Church Council

Received 30.7.28

Register No. 161

Date 27.7.28

File.....

Reply No.....

Date.....

SIR,

In continuation of this office letter No. 874 dated the 4th July 1928, I have the honour to inform you that your Pracharak Boas Bagge who appeared here on 11-7-28, could give no ~~information~~ information about the patta, if any, granted to the mission for the land in question in Mauza Jorabandh in this State. Nor could he say if such a document was registered in this State ----- Registration Office. A thorough search was also made and no such documents are available in this office. so I regret I am unable to furnish ----- copies.

I have the honour to be,

Sir,

Your most obedient servant,

*J. K. Tripathi*

DEWAN.

T.L.P.

File  
6/7/28

# Office of the Dewan of the Feudatory State of Bonai.

Address:—

P. O. Bonaigarh,  
Via—Panposh B.N.Ry.

From

NO. 874

Mr. J. K. Tripathi, M.A.,

DEWAN OF THE FEUDATORY STATE OF BONAI.

To

The Secretary ,

Lutheran Church,

Ranchi.

Dated Bonaigarh, the 4<sup>th</sup> July 1928 .

SIR,

In reply to your letter no.89/28,dated the 4th  
June July 1928,I have the honour to inform you that no copy  
of Patta or like document is traceable in this office.The  
previous correspondence,however, shows that an area of  
20.20 acres of land in mouza Jorabandh in this State was  
granted to the Mission for building purposes,and there is  
a map of the site.On the arrival of your Pracharak,further  
enquiries will be made and the result communicated to you  
in due course.

I have the honour to be,  
Sir,

Your most obedient servant,

J. K. Tripathi

DEWAN.

Church Council

Received 7.7.28

Register No. 122

Date 4.7.28

File.....

Reply No.....

Date.....

Memo. 20/28.

Copy of the letter addressed to the Dewan, Bonai State, forwarded to  
Pracharak Boas Bagge, Mouza Hathiora, Thana Banki Bazaar, Bonai State for in-  
formation and for giving to the State Dewan all such information as will lead  
to trace out the Patta or Pattas concerned.

28.

To,

*[Signature]*  
The Dewan Bonai Estate.  
Bonai State.  
SECRETARY TO THE CHURCH.

Ranchi.

4th June, 1928.

Sir,

In mouza Jorabandh, Thana Bankibazaar within the Bonai State the G.E.L. Church ( formerly German Mission) has been owning some lands ,originally meant for building a new station on a site for which the permission of the Chief was granted during the time of the late Rev. Dr. A. Nottrott.

During the time of the War ,the documents relating to the lands referred to in the mouza named above were mislaid and are now missing altogether. I believe, the State Registration Office has the copy of the documents (Patta or Pattas ) as the same were duly registered there .

I should be glad and thankful if copies of the same could be had on payment of the necessary fees. I am instructing our Pracharak Boas Bagge of Mouza Hathiora to present himself to you and to give you such information as will lead to the tracing out of the documents required.

An early reply to the above is requested.

I have the honor to be,

Sir,

Your most obedient servant,

*[Signature]*  
SECRETARY.



Memo. 90/28.

Copy of the letter addressed to the Dewan, Bonai State, forwarded to Pracharak Boas Bagge, Mouza Hathiora, Thana Banki Bazaar., Bonai State for information and for giving to the State Dewan all such information as will lead to trace out the Patta or Pattas concerned.

Ranchi.

4th. June, 1928.

SECRETARY TO THE CHURCH.

Sir,

In Mouza Jorabandh, Thana Bankibazaar within the Bonai State the G.E.L. Church (formerly German Mission) has been owning some lands, originally meant for building a new station on a site for which the permission of the Chief was granted during the time of the late Rev. Dr. A. Nothoff.

During the time of the War, the documents relating to the lands referred to in the Mouza named above were mislaid and are now missing altogether. I believe the State Registration Office has the copy of the documents (Patta or Pattas) as the same were duly registered there.

I should be glad and thankful if copies of the same could be had on payment of the necessary fees. I am instructing our Pracharak Boas Bagge of Mouza Hathiora to present himself to you and to give you such information as will lead to the tracing out of the documents required.

An early reply to the above is requested.

I have the honor to be,

Sir,

Your most obedient servant,

SECRETARY.

4/2 6/28.

26th. May

28.

To The Rev. Marcus Topono.

JARAKUDAR.

Manyawar Padri M. Topono,

Ap ko Church Council ka bahut 2 Yishusahay aur prem !

Hamon ne kal Shukrwar ko ap ki dukh-bhari chitthi pai, jiske pakar ke ham sab jo yahan Ranchi men hain , sun kar bahut dukhit hue. Ham log sab ke sab ap ke is ati kathin dukh men sandukhi hote aur ap ko shanti dete hain ki Ishwar Pita ne ap ki dharma-patni ko bare kushal se apne pas bulaya. Wah kisi bhi prakar ke bhari rog aur dukh men na hoke kushal aur shanti se Prabhu ki god men adhik sundar aur mahimawan rajya men utha lii gai, jisten wahan apne Trani Yianu Khrist ki sewa men nitya rahe.

Ham log jante hain ki ap ko kitne dinon tak man men bahut hi dukh aur afsos rahegi, par yah bhi ap kripaya yad kijiye ki HAMARA YAHAN KOI THAHARNEHARA NAGAR NAHIN HAI PAR HAM US HONHAR NAGAR KO DHUNRTE HAIN, jo swargiya Yisrushalim hai, jahan ham sab ko jana hoga. Prabhu apne Pawitratma se ap ko shanti par - shanti dewe ki ap is kathin dukh ke bhar ko dhiraj, sahas aur dharas ke sath sah sakiye aur Prabhu ki sewa men adhik khinche jaiye.

President yahan hain aur aj ham log Executive baithe the aur ham sab ke sab ap sabhon ko aur bishes ap ko hamon ka bahut bahut YISHUSAHAY bhejte hain.

Ap ke piyare sangilog,  
Prabhu ki sewa men,

*[Signature]*  
C.E. ka liye.

|                |                                  |
|----------------|----------------------------------|
| Church Council |                                  |
| Received..     | 9.6.28                           |
| Register No.   | 65                               |
| Date..         | 22.5.28                          |
| File.....      | होना नागपुर और मासाके चर्चको सिल |
| Book No.....   | अगुलर लेवे और की शुसला 1         |
| Date.....      |                                  |

Jarakudat 22.5.28.

को

मैं अडे मासाके साथ माय को लिख  
 सुनाता हूँ कि मेरी प्रिये चर्च पत्र (खुस्तदुलास)  
 को इंगर ने माण 22.5.22 को दिन चार वजे  
 को अपने पास बुलाया। वह गली चंगी का काम  
 कर वे साथ हमों के साथ करते समय और गिडे,  
 और वव वे होश के समान हो प्रभु में सो गई।  
 उसने स्वर्ग हो काह करने बोली कि मुझको सिर  
 देकरवा है ॥

जो कुछ और इस विषय का लिखना हो मैं  
 कुछ सुना हो को सिल में लिखने जंग ॥

ऐसी डेन को और मेरे संगी काम चारों  
 को जो रांची में है और मेरे दोस्तों को भी  
 सुना दंगे ॥

M. S. P. P. P.



8/6/28

ਭਗਤੂਰ ੬-੬-੨੮

**Church Council**  
 Received... 9.6.28  
 Register No... 65  
 Date... 6.6.28  
 File.....  
 Reply No.....  
 Date.....

ਫ਼ੌਜ ਨਗਰ ਮੌਰ ਮਿਲਾਨ ਦੇ ਲੁਧੇ ਪਾ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਦੇ ਸ਼ਰਧਾਰ ਚੌਕੀ ਸਿਨ  
 ਅਤੇ ਮੇਰਾ ਗੁਰੂ ਪੀ ਯੁਸਤਾ ਹੋਵੇ ॥

ਮੇਰਾ ਮਨ ਵਿਵੇਕਨ ਪਦੇ ॥ ਕਿ ਮੇਰੀ ਪਤਨੀ ਪਤਨੀ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਵਲੋਂ ਹੋਰੇ ਸੇ ਮੈਂ ਅਤੀ ਸਖੇਰੀ  
 ਮੇਂ ਗਿਰਾਏ, ਫਿਰੋ ਪਾਏ ਧਰਮਾ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅੰਗੀ ਦੇ ਸ਼ਰਧਾਰ ਮੇਂ ॥ ਮੁਮਕੋ ਮੁਮਕ  
 ਹੀ ॥ ਕਿ ਮੈਂ ਸਾਫ਼ਿਕਾਨੀ ਪਾਏ ॥ ਮੈਂ ਭਾਗ ਮੇਂ ਹੀ ॥ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ॥ ਕਿ ਮੇਰੇ ਨਰੇ ਦੇ ਕੈਸੇ  
 ਅਨ ਭਾਗ ਪਾਏ ॥ ਪਿੰਗ ਮੇਂ ਪਿੰਗਾ ਰਾਗ ਮਾਰਦੇ ॥ ਪਾਸਾਨ ਸੇ ਜੀਤਾ  
 ਅਨ ਅੰਗਰੇ ॥ ਮਾਧੀ ਰੋਪਾਰੋ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥ ਮੈਂ ਪੈਰਾ ਮੈਂ  
 ਅਨ ਅਤੇ ਸਮਾਨ ਪਾਏ ਅਨ ਹੀ ॥ ੨੨ ਮੇਰੇ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥  
 ਅਨ ਭਾਗ ਪਾਏ ਜੋ ਧਰਮੇ ॥ ਕਿਸੀ ਪਾਏ ਸੇ ਹੋਰਾ ਮੇਂ ਹੀ ॥

ਮੇਰਾ ਅਤੀ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥ ਧਰਮ-ਵੇਦ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥ ਮੈਂ ਅਤੀ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ  
 ਅਤੇ ਮੇਰੇ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥ (ਅਤੀ ਮਾਧੀ ॥ ਮੈਂ ਪਾਏ ਪਾਏ) ॥ ਅਤੇ ਪਾਏ ਪਾਏ  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥

III. ਦਸਤਾਵੇਜ਼ ਮੈਂ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥  
 II. ਦਸਤਾਵੇਜ਼ ਮੈਂ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥

I. ਮੁਮਕੋ ੨੧ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥

II. ਮੈਂ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥  
 ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥

III. ਪਿੰਗਾ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥

IV. ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥  
 ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥

V. ਮੈਂ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ ਮਾਧੀ  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥  
 ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ਪਾਏ ॥

४॥ श्री. सिल मेवर मलशयोको और अमलशयोको जिन्होंने  
मेरी चर्म पत्रों को लोकांतर लेने का खबर पावो - मुझको  
वही शान्ति और चरित्र और साहस का मानसिक और इश्वर का  
वचन से दिया -- तुम से उन्हें चर्म वाद दे लाइ ॥

— पाप का माताकारी और संगी अर्म चारी ।

पाद --- मृत्यु से तौपनी ।

जडाकुल ॥